Dr. Raj Gopal
Department of Philosophy

Mediate Inference
(मध्याश्रित अनुमान)

मध्याश्रित अनुमान में कम से कम दो आधार वाक्य होते हैं, और ये दोनों आधार वाक्य संयुक्त रूप से निष्कर्ष को निगमित करते हैं। यह अनुमान जिसमें केवल दो आधार वाक्य होते हैं उसे न्याययुक्ति अनुमान (Syllogistic Inference) कहते हैं। यदि आधार वाक्य दो से अधिक हैं तो यह मध्याश्रित अनुमान अ-न्याययुक्ति (Non-Syllogistic) बन जाता है।

(मध्याश्रित अनुमान)
Mediate Inference

- न्याययुक्ति Syllogistic
  - निरपेक्ष न्याययुक्ति Categorical Syllogism
  - संयुक्त न्याययुक्ति (Conditional Syllogism)
- अ-न्याययुक्ति (Non-Syllogistic)

निरपेक्ष न्याययुक्ति (Categorical Syllogism) → न्याययुक्ति एक मध्याश्रित अनुमान है जिसमें दो आधार वाक्य होते हैं जो संयुक्त रूप से निष्कर्ष को निगमित करते हैं। दोनों आधार वाक्यों के संयोग से निष्कर्ष निकलता है। अर्थात् ये अनुमान केवल दो आधार-वाक्यों पर आधारित तर्क हैं न्याययुक्ति है। न्याययुक्ति को निरपेक्ष और संयुक्त या मिश्रित में विभाजित किया जाता है।

Scanned with CamScanner

निरपेक्ष न्यायसूक्ति में तीनों तर्क-वाक्य (दो आधार वाक्य और एक निष्कर्ष) निरपेक्ष तर्क वाक्य, A, E, I, O होते हैं।

सभी मनुष्य मरणशील हैं। A
सभी प्रोफेसर मनुष्य हैं। (A)

अतः - सभी प्रोफेसर मरणशील हैं (A)

यह एक निरपेक्ष न्यायसूक्ति का उदाहरण है।

एक संयुक्त न्यायसूक्ति (Conditional Syllogism) में एक अथवा दोनों आधार वाक्य सोपाधिक तर्क-वाक्य (Conditional Proposition) होते हैं। संयुक्त न्यायसूक्ति का एक उदाहरण—

यदि समय पर वर्षा होती है, तो फसल अच्छी होगी।
यदि फसल अच्छी होती है, तो मुद्रास्फीति में कमी होगी।

अतः यदि समय पर वर्षा होती है, तो मुद्रास्फीति में कमी होगी।

हम निरपेक्ष न्यायसूक्ति पर विचार करेंगे। एक निरपेक्ष न्यायसूक्ति में तीन और केवल तीन तर्कवाक्य होते हैं — दो आधार वाक्य और एक निष्कर्ष, तथा तीन और केवल तीन पद होते हैं। जैसे निम्न न्यायसूक्ति में -

सभी M P हैं।
सभी S M हैं।

अतः सभी S P हैं।

Scanned with CamScanner